

सूचना और प्रसारण मंत्रालय



डब्ल्यूएएम! : भारत में मंगा और एनीमे में बढ़ोतरी

कैसे वेक्स एनीमे और मंगा प्रतियोगिता प्रतिभा को विजय में बदल रही है

Posted On: 07 APR 2025 9:54AM by PIB Delhi

रेशम तलवार हमेशा से ही आवाज की ताकत में विश्वास रखती थीं। एक दृष्टिबाधित कलाकार के रूप में, वह जानती थीं कि उनकी आवाज सिर्फ शब्दों से कहीं ज़्यादा है, इसमें भावनाएं, अभिव्यक्ति और किरदारों को जीवंत करने की क्षमता है। उन्होंने अपनी दिव्यांग होने को खुद को परिभाषित नहीं करने दिया। इसके बदले, उन्होंने आवाज के अभिनय की प्रतिस्पर्धी दुनिया में अपने लिए जगह बनाई। दिल्ली में वेक्स एनीमे और मंगा प्रतियोगिता (डब्ल्यूएएम!) में आवाज अभिनय श्रेणी जीतकर उन्होंने अपनी यात्रा को आगे बढ़ाया, यह साबित किया कि उनकी कलात्मकता किसी भी बाधा को पार कर सकती है। रेडियो जॉकी, वॉयस-ओवर और ऑडियो एडिटिंग में रेशम की विशेषज्ञता ने पहले ही उनकी क्षमताओं को साबित कर दिया था, लेकिन डब्ल्यूएएम!! ने उन्हें एक बड़े मंच पर ला खड़ा किया। उनकी प्रतिभा ने उद्योग के नेताओं को प्रभावित किया, और ऐसे दरवाजे खोले जो बहुत लंबे समय से बंद थे। यह उनकी जैसी कहानियां को बताती है कि डब्ल्यूएएम!! सिर्फ एक प्रतियोगिता नहीं है, यह एक आंदोलन है जो रचनात्मक उद्योग का मंथन कर रहा है।



सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा मीडिया एवं मनोरंजन संघ (एमईएआई) के सहयोग से आयोजित इस गतिशील पहल का उद्देश्य भारत में एनीमे और मंगा के प्रति बढ़ते उत्साह का लाभ उठाना है, ताकि रचनाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक मंच प्रदान किया जा सके। डब्ल्यूएएम!! कलाकारों को लोकप्रिय जापानी शैलियों के स्थानीय रूपांतर विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करता है, जो भारतीय और वैश्विक दर्शकों दोनों को ध्यान में रखते हुए प्रकाशन, वितरण और उद्योग में प्रदर्शन के अवसर प्रदान करता है, जिससे कलात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ावा मिलता है और उभरती प्रतिभाओं को बढ़ावा मिलता है। प्रतियोगिता में 11 शहरों में राज्य स्तरीय प्रतियोगिताएं होंगी, जिसका समापन मुंबई में विश्व ऑडियो विजुअल एंटरटेनमेंट समिट (वेक्स) 2025 में एक भव्य राष्ट्रीय समापन समारोह में होगा।



डब्ल्यूएम! व्यापक वेव्स 2025 की आधारशिला है, जो 1 से 4 मई तक मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में आयोजित होने वाला एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है। वेव्स का उद्देश्य भारत को मीडिया और मनोरंजन के क्षेत्र में विश्व स्तरीय शक्ति के रूप में स्थापित करना है, जो दावोस और कान्स जैसे प्रतिष्ठित समारोहों से प्रेरणा लेता है। यह अपनी तरह का पहला शिखर सम्मेलन है, जो फिल्मों, ओटीटी प्लेटफॉर्म, गेमिंग, कॉमिक्स, डिजिटल मीडिया, एआई और उभरते एवीजीसी-एक्सआर (एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियलिटी) क्षेत्र को एक ही स्थान पर लाता है। भारत के मीडिया और मनोरंजन उद्योग के बड़े पैमाने पर विकास के साथ, 2029 तक 50 बिलियन डॉलर के बाजार को लक्षित करते हुए, वेव्स एक उत्प्रेरक बनने के लिए तैयार है जो देश को वैश्विक कहानी कहने में सबसे आगे ले जाएगा।

वेव्स के केंद्र में क्रिएट इन इंडिया चैलेंज (सीआईसी) है, जो विभिन्न रचनात्मक क्षेत्रों में प्रतिभाओं को उजागर करने और उनका पोषण करने के लिए डिजाइन की गई प्रतियोगिताओं की एक श्रृंखला है। सीआईसी के सीजन 1 ने पहले ही 77,000 से अधिक प्रतिष्ठियों को आकर्षित करते हुए एक उन्माद पैदा कर दिया है, जिसमें 35 देशों के 500 से अधिक प्रतिभागी शामिल हैं। इस विशाल पूल से, 725 से अधिक शीर्ष निर्माता वेव्स 2025 के दौरान ग्रैंड फिनाले में शामिल होंगे, अपने काम का प्रदर्शन करेंगे और वैश्विक मान्यता के लिए होड़ करेंगे। ये चुनौतियां भारत की क्षेत्रीय कहानियों की समृद्ध कला का जश्न मनाती हैं, जो देश की भाषायी और सांस्कृतिक विविधता को दर्शाती हैं। सीआईसी के अंतर्गत एक बेहतरीन पहल के रूप में डब्ल्यूएम!!, एनीमे और मंगा डोमेन पर ध्यान केंद्रित करता है, जो शौकिया और पेशेवरों को निखारने के लिए एक मंच प्रदान करता है। यह एक ऐसा आंदोलन है जो न केवल छिपे हुए रत्नों की खोज करता है बल्कि कच्ची प्रतिभा और उद्योग के अवसर के बीच के रिक्त स्थान को खत्म करता है। सपनों को यथार्थ में बदलता है।

डब्ल्यूएम!! के महत्व को समझने के लिए, यह जानना उपयोगी है कि मंगा और एनीमे क्या हैं, खासकर भारत के लोगों के लिए। मंगा बस एक प्रकार की कॉमिक बुक या ग्राफिक उपन्यास है जिसकी शुरुआत जापान में हुई थी। यह उन कॉमिक्स की तरह है जिन्हें आप पढ़ सकते हैं, लेकिन इसमें सभी प्रकार की कहानियां शामिल हैं, रोमांचक कहानियां, प्यार भरी कहानियां, डराने वाली या जादुई कल्पनाएं। मंगा को इसका लुक खास बनाता है जो है- पात्रों की अक्सर बड़ी, दिलचस्प आंखें होती हैं और चित्र कहानी के आधार पर बहुत सरल या विस्तृत हो सकते हैं।

अधिकांश पुस्तकों के विपरीत, आप मंगा को दाएं से बाएं पढ़ते हैं, और यह आमतौर पर पत्रिकाओं में छोटे-छोटे टुकड़ों के रूप में शुरू होता है और फिर "टैंकोबोन" नामक पुस्तकों में एक साथ रखा जाता है। दूसरी ओर, एनीमे, मंगा को जीवंत करने जैसा है - यह एक कार्टून संस्करण है जिसे आप स्क्रीन पर देखते हैं, जिसमें उसी तरह की कहानियों में हलचल और आवाजें जोड़ी जाती हैं। इसमें हर किसी के लिए कुछ न कुछ है: 'शोनेन' युवा लड़कों के लिए है और यह एक्शन और दोस्ती से भरपूर है, 'शोजो' युवा लड़कियों के लिए है और रोमांस पर केंद्रित है, गहरे और जटिल विचार 'सीनेन' गहरे या जटिल विचारों वाले वयस्क पुरुषों के लिए है, और 'जोसेई' वयस्क महिलाओं के लिए है जो रोजमर्रा की जिंदगी या प्रेम कहानियों से भरी हुई हैं जो वास्तविक लगती हैं।

भारत में, मंगा और एनीमे पिछले दस सालों में अविश्वसनीय रूप से लोकप्रिय हो गए हैं, इसका श्रेय उन्हें आसानी से मिलने वाले और उन्हें पसंद करने वाले उत्साही प्रशंसकों को जाता है। देश में लगभग 180 मिलियन एनीमे प्रशंसक हैं, जो भारत को चीन के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा एनीमे बाजार बनाते हैं। इन प्रशंसकों से

एनीमे को वैश्विक स्तर पर और भी अधिक लोकप्रिय बनाने में एक बड़ी भूमिका निभाने की उम्मीद है, जो इसकी 60 प्रतिशत वृद्धि को बढ़ावा देते हैं। “नरुटो,” “ड्रैगन बॉल,” “वन पीस,” “अटैक ऑन टाइटन,” और “माई हीरो एकेडेमिया” जैसे शो बहुत हिट हुए हैं, जिन्होंने पूरे भारत में बड़ी संख्या में प्रशंसकों को आकर्षित किया है और दिखाया है कि यहां के लोग इन कहानियों को कितना पसंद करते हैं।

भारत में एनीमे बाजार 2023 में 1,642.5 मिलियन डॉलर का था और 2032 तक यह 5,036.0 मिलियन डॉलर तक बढ़ने वाला है। नेटफ्लिक्स, अमेज़ॉन प्राइम वीडियो, क्रंचरोल और डिज़नी+ हॉटस्टार जैसे प्लेटफॉर्म ने लोगों के लिए एनीमे देखना उपशीर्षक जोड़कर आसान बना दिया है, ताकि भारतीय दर्शक उनका आनंद ले सकें। मंगा को ढूंढना भी आसान हो रहा है, अमेज़ॉन और फ्लिपकार्ट जैसी ई-कॉमर्स दिग्गज इन कॉमिक पुस्तकों को बेच रही हैं, और कुछ विशेष दुकानें भी खुल रही हैं। फिर भी, इस बढ़ोतरी के बावजूद, भारत को एनीमे और मंगा उद्योग में कुशल प्रतिभाओं की गंभीर कमी का सामना करना पड़ रहा है, एक अंतर जिसे डब्ल्यूएएम घरेलू रचनाकारों को बढ़ावा देकर जोड़ने के लिए दृढ़ संकल्पित है।



रेशम की जीत डब्ल्यूएएम! से निकलने वाली कई अद्भुत कहानियों में से एक है। वाराणसी के सनबीम वरुणा की हाई स्कूल छात्रा एंजेल यादव को ही लीजिए, जिसने डब्ल्यूएएम वाराणसी में मंगा (छात्र श्रेणी) में जजों को चौंका दिया। उसकी कलाकृति ने कोलकाता के वैभवी स्टूडियो को इतना प्रभावित किया कि उन्होंने उसे नौकरी की पेशकश की, जिससे पता चला कि युवा लोग भी इस क्षेत्र में बड़ा प्रभाव डाल सकते हैं। एक और सफलता रणदीप सिंह की है, जो एक पेशेवर मंगा कलाकार हैं, जिन्होंने डब्ल्यूएएम! भुवनेश्वर में प्रवेश किया। जजों ने उनके काम को पसंद किया, इसे प्रिंट करने लायक बताया, और जबकि वह अपने मंगा पर काम करना जारी रखते हैं, उन्हें पहले से ही वैभवी स्टूडियो से भुगतान वाली परियोजनाएं मिल रही हैं। ये उदाहरण दिखाते हैं कि डब्ल्यूएएम! कैसे लोगों की जिंदगी बदल देता है, लोगों को उनके सृजन के प्रति प्रेम को वास्तविक करियर में बदलने में मदद करता है, और इस दौरान उद्योग के बड़े नाम उनका साथ देते हैं।

वेक्स एनीमे और मंगा प्रतियोगिता के लिए समर्थन व्यक्तिगत जीत से कहीं आगे तक फैला हुआ है, जिसमें उद्योग के कुछ सबसे बड़े नाम शामिल हैं। बीओबी पिक्चर्स के निदेशक श्रीकांत कोनाथम ने डब्ल्यूएएम! के हर भावी कार्यक्रम में भाग लेने का संकल्प लिया है, जो जमीन पर उतरने के लिए तैयार प्रतिभाओं की खोज करने के लिए उत्सुक हैं। टूनसूत्र के नवीन मिरांडा विजेताओं को वेबटून स्पेस में वितरण सौदों की पेशकश कर रहे हैं, जबकि ईटीवी बाल भारत की राजेश्वरी रॉय एनीमे में पिचिंग के अवसर प्रदान कर रही हैं। मध्य भारत के सबसे बड़े एनीमेशन स्टूडियो के संस्थापक नीलेश पटेल ने विजेताओं के लिए प्लेसमेंट और फाइनलिस्ट के लिए इंटरशिप का वादा करते हुए एक कदम और आगे बढ़ाया है। यह उद्योग समर्थन केवल दिखावटी सेवा नहीं है, यह एक जीवन रेखा है, जो यह सुनिश्चित करती है कि डब्ल्यूएएम! प्रतिभागी केवल प्रतिस्पर्धा न करें बल्कि विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्धी बाजार में आगे बढ़ें।

डब्ल्यूएएम! को जो चीज अलग बनाती है, वह है रचनात्मकता को लोकतांत्रिक बनाने की इसकी क्षमता। यह एक ऐसा मंच है, जहां रेशम जैसे दृष्टिबाधित वॉयस एक्टर एंजेल जैसे किशोर मंगा कलाकार या रणदीप जैसे अनुभवी पेशेवर के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हो सकते हैं। वेक्स 2025 के हिस्से के रूप में, डब्ल्यूएएम! एक प्रतियोगिता से कहीं अधिक है, यह एक क्रांति है, जो भारत की रचनात्मक प्रतिभाओं की खोज, पोषण और जश्न मनाने के तरीके को नया रूप देती है। शिखर सम्मेलन के क्षितिज पर होने के साथ, दुनिया भारत के कहानीकारों को देखेगी, जो लोककथाओं की विरासत में निहित हैं और अब एनीमे और मंगा जैसे आधुनिक माध्यमों को अपना रहे हैं, केंद्र में हैं। रेशम और अनगिनत लोगों के लिए, डब्ल्यूएएम! सिर्फ एक जीत नहीं है, यह एक विरासत की शुरुआत है, जो हर बीते वर्ष के साथ और भी प्रकाशमान होने का वादा करती है।

स्रोत: सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय

डब्ल्यूएएम!: भारत में मंगा और एनीमे को बढ़ावा

एमजी/केसी/केएल/वीके

(Release ID: 2119699)

Read this release in: Assamese , Urdu , Marathi , English , Malayalam , Nepali , Bengali , Manipuri , Punjabi , Gujarati , Tamil , Telugu